Series BRH/2

कोड नं. **3/2/1**
Code No.

रोल नं.
Roll No.

परीक्षार्थी कोड को उत्तर-पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर अवश्य लिखें ।

- कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में मुद्रित पृष्ठ 16 हैं ।
- प्रश्न-पत्र में दाहिने हाथ की ओर दिए गए कोड नम्बर को छात्र उत्तर-पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर लिखें ।
- कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में **16** प्रश्न हैं ।
- **कृपया प्रश्न का उत्तर लिखना शुरू करने से पहले, प्रश्न का क्रमांक अवश्य लिखें ।**
- इस प्रश्न-पत्र को पढ़ने के लिए 15 मिनट का समय दिया गया है । प्रश्न-पत्र का वितरण पूर्वाह्न में 10.15 बजे किया जाएगा । 10.15 बजे से 10.30 बजे तक छात्र केवल प्रश्न-पत्र को पढ़ेंगे और इस अवधि के दौरान वे उत्तर-पुस्तिका पर कोई उत्तर नहीं लिखेंगे ।

संकलित परीक्षा – II

SUMMATIVE ASSESSMENT – II

हिन्दी

HINDI

(पाठ्यक्रम अ)
(Course A)

निर्धारित समय : 3 घण्टे | अधिकतम अंक : 90

Time allowed : 3 hours | *Maximum Marks : 90*

निर्देश : *(i)* इस प्रश्न-पत्र के चार खण्ड हैं — क, ख, ग और घ ।

(ii) चारों खण्डों के प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है ।

(iii) यथासंभव प्रत्येक खण्ड के उत्तर क्रमशः दीजिए ।

खण्ड क

1. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के लिए सही उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए : 1×5=5

अहिंसा का अर्थ केवल इतना नहीं है कि हम दूसरे प्राणियों पर दया करें । उन्हें न मारें और किसी को कष्ट न पहुँचाएँ । अहिंसा में मानवीय संवेदनाएँ, जीवन-मूल्य, आदर्श और मानवीय वृत्तियाँ आदि बहुत कुछ शामिल है । अहिंसा सदाचार और ईमानदारी की शृंखला एवं नैतिक मूल्यों का आधार है, सर्वधर्म-समभाव की आधारशिला है, समता, सामाजिक न्याय और मानव-प्रेम की प्रेरक शक्ति है । सच्ची अहिंसा वह है जहाँ इंसान के बीच भेदभाव न हो, सभी समान हो जाएँ । असल में अहिंसक जीवन जीना बहुत कठिन है, बहुत बड़ी साधना है । महात्मा गांधी ने कहा है, 'अहिंसा और सत्य का मार्ग जितना सीधा है, उतना ही तंग भी । यह तलवार की धार पर चलने के समान है ।'

भगवान महावीर ने दूसरों के दुख दूर करने को 'अहिंसा धर्म' कहा है । उनका जीवन आत्म-साधना और सामाजिक मूल्यों को प्रतिष्ठित करने में समर्पित हुआ । उनको महसूस हुआ कि आर्थिक असमानता और वस्तुओं का अनावश्यक या अनुचित संग्रह सामाजिक जीवन में असंतुलन पैदा करता है । ऐसी लोभ-वृत्तियों के कारण एक इंसान दूसरे इंसान का शोषण करता है । इसलिए उन्होंने अपरिग्रह पर ज़ोर दिया ताकि समाज से आर्थिक असमानता मिट सके ।

(i) अहिंसा आधार नहीं है :

(क) मानवीय वृत्तियों और आदर्श जीवन का ।

(ख) वैचारिक एकता और नैतिक मूल्यों का ।

(ग) प्राणियों पर दया और मानवीय संवेदना का ।

(घ) धार्मिक भेदभाव और आर्थिक असमानता का ।

(ii) सच्ची अहिंसा का आशय है :

(क) मन, वाणी और शरीर की पवित्रता ।

(ख) निर्बलों को दान देना ।

(ग) [illegible]

(घ) मंदिर जाना और भजन-कीर्तन करना ।

(iii) भगवान् महावीर के अनुसार सामाजिक जीवन में असंतुलन का कारण था :

(क) धर्मों का पक्षपातपूर्ण संचालन ।

(ख) वस्तुओं का अनावश्यक व अनुचित संग्रह ।

(ग) मानव की द्वेष एवं ईर्ष्या की प्रवृत्ति ।

(घ) मानव की शोषण एवं शासन की प्रवृत्ति ।

(iv) 'अपरिग्रह' का अर्थ है :

(क) अधिक धन ग्रहण करना

(ख) निरर्थक धन का त्याग

(ग) आवश्यकता से अधिक धन का त्याग

(घ) धन संग्रह करने में तत्परता

(v) 'असंतुलितता' में समास है :

(क) अव्ययीभाव

(ख) तत्पुरुष

(ग) कर्मधारय

(घ) द्विगु

2. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर उस पर आधारित प्रश्नों के उपयुक्त उत्तर चुनकर लिखिए : 1×5=5

भूल होना सहज मानवीय दुर्बलता है । ऐसा कोई व्यक्ति नहीं जिससे कभी कोई भूल न हुई हो । यह भूल-चूक कई रूपों में हमारे जीवन में देखने को मिलती है । कहीं इसका स्वरूप धार्मिक, तो कहीं आध्यात्मिक; कहीं व्यावहारिक तो कहीं अनुशासनात्मक । कहीं इसका नाम अपराध तो कहीं पाप; कहीं चोरी तो कहीं बेईमानी, कहीं दुष्कर्म तो कहीं दुर्व्यवहार । इन रूपों में से भूल का रूप कोई भी हो किन्तु यह होती है व्यक्ति या समाज के लिए हानिकारक ही । ये भूलें मानवता के लिए अभिशाप ही होती हैं । इन भूलों को सुधारने के क्रम में संतों एवं समाज-सुधारकों ने आत्मबोध, प्रायश्चित्त और पश्चात्ताप के द्वारा भूल सुधार का सरल मार्ग दिया है । वास्तव में पश्चात्ताप वह अग्नि है जिसमें तपकर भूला-भटका मन शुद्ध स्वर्ण बन जाता है। पश्चात्ताप मन के शुद्धीकरण की एक प्रक्रिया है । भूल कर बैठना जितना आसान होता है उसे स्वीकार करना उतना ही कठिन । अधिकांश लोग सम्मान व प्रतिष्ठा के भय से भूलों को छुपाने व मिटाने का पूरा प्रयत्न करते हैं । ये प्रयत्न ही उन्हें झूठा, पाखण्डी अपराधी और महापापी बना देते हैं । जो लोग अपनी भूल को सहजता

से स्वीकार कर लेते हैं, वे आत्मशुद्धि के कारण आत्मबली कहलाते हैं। ऐसे लोग दुष्ट होकर भी महात्मा बन जाते हैं।

(i) भूल मनुष्य की कैसी कमज़ोरी मानी गई है ?

(क) मानवीय

(ख) चमत्कार

(ग) स्वाभाविक

(घ) काल्पनिक

(ii) भूल-सुधार का उपाय क्या है :

(क) मन पर नियंत्रण

(ख) सही दिशा-निर्देश

(ग) आत्मशुद्धि

(घ) प्रायश्चित और पश्चात्ताप

(iii) पश्चात्ताप एक प्रक्रिया है :

(क) मानसिक चिंता की।

(ख) भूल करने वाले के लिए दिखावे की।

(ग) भूल के कलुष को जलाकर मन के शुद्धीकरण की।

(घ) मानव को सच्चा इंसान बनाने की।

(iv) भूल स्वीकार न करने का दुष्परिणाम होता है :

(क) भूल करने वाला समाज में अपमानित होता है।

(ख) दूर-दूर तक उसका अपयश फैलता है।

(ग) वह समाज में क्रूर, अपराधी और पापी माना जाता है।

(घ) वह सदा हीन भावना से ग्रस्त रहता है।

(v) 'आत्मशुद्धि' में समास है :

(क) कर्मधारय

(ख) तत्पुरुष

(ग) द्विगु

(घ) बहुव्रीहि

3. प्रस्तुत काव्यांश को ध्यान से पढ़कर उस पर आधारित प्रश्नों के लिए उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए : 1×5=5

आओ मिल कर बैठें
सोचें भूल गयी गलतियाँ
अपनी गलती करें कबूल
हुई कहाँ पर भूल ।

आमों के हमने पेड़ लगाए
सींचे हमने आम
सारी निगाह फिर कहाँ तलक
पाने लगे बबूल ।

मन्दिर हैं पग-पग पर
मस्जिद, गुरुद्वारे, गिरिजाघर हैं
आस्थाएँ गहरी धर्म-ग्रंथों पर हैं
बावजूद फिर भी रुसवाई, गर्दिशाएँ
यहीं कलंक न भूल ।

अन्याय की गर्दन मोड़ी
कानून के ओछे पड़ते फंदे
नई सभ्यता की आँधी में
उड़ गए हैं क्यों उसूल ।

राष्ट्र-प्रेम के बड़े-बड़े स्वर
अक्षर ज्ञान के यहाँ-वहाँ
देश-भक्ति के सपनों को
क्यों मिलता है इतना तूल ?

सुख है एक नदी के किनारे
दुख होते हैं जितने दर्द
सुनकर चाहे तुम उदास हो
हुई कहाँ पर है यह भूल ?

(i) "आओ मिल कर बैठें" कथन का कौन-सा आशय नहीं हो सकता है ?

(क) सांप्रदायिक भेद भाव मिटाने के कारणों पर विचार करें ।

(ख) ऐसी भूलों की पहचानें जिनसे विवाद बढ़े हैं ।

(ग) अपनी मनमानी सिद्ध करने के उपाय सोचें ।

(घ) अपनी गलतियों को सहर्ष स्वीकार करें ।

(ii) 'आग' और 'बबूल' का प्रतीकार्थ है :

(क) आग और बबूल का लगाना ।

(ख) मीठी बातें और कड़वी बातें ।

(ग) पारस्परिक वैमनस्य और मनमुटाव ।

(घ) सद्भाव की न्यूनता और बुरे भावों की चुभन ।

(iii) 'आज फिर भी .... का मूल' पंक्ति का भाव है :

(क) देश में जगह-जगह फसाद है ।

(ख) देशवासियों की इच्छा-शक्ति कमज़ोर है ।

(ग) देवालयों और धर्म-ग्रंथों की सभी बातें अर्थहीन हो गई हैं ।

(घ) सम्प्रदायिकता बढ़ती जा रही है ।

(iv) 'प्रभु प्रेम' के भाव खोते-खोते क्यों हैं ?

(क) धार्मिक उन्माद के कारण ।

(ख) अपने हित-लाभ के कारण ।

(ग) नई सभ्यता की आँधी के कारण ।

(घ) संयम की कमजोरी के कारण ।

(v) 'पावस रिस भी फटकारें, म्यानों' में अलंकार है :

(क) अनुप्रास

(ख) रूपक

(ग) यमक

(घ) मानवीकरण

4. निम्नलिखित पद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के सही उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए : 1×5=5

तुम मुझे कल्पना के कानन में मत देखो,
तुम देखो मुझको आहों की अँधियारी में ।
मेरा मंदिर है मानव के मन का आँगन,
मेरी पूजा है मानवता की सजल व्यथा,
मेरे शब्दों में अंकित जीवन की प्रतिमा,
बस, बूँद-बूँद आँसू में बहती करुण-कथा,
तुम मुझे देवता मत मानो, मत कहो ऋषि,
मैं मानव हूँ, मानवता मेरी वाणी है ।
मैं नश्वर मिट्टी के कणों का दुर्बल मानव,
हर कमजोरी मानव की मुझमें पाती है ।
तुम मुझे आत्मा की समाधि पर मत देखो,
तुम देखो मुझको जन-सेवा की वाणी में ।

(i) कवि की कविता का उद्देश्य है
(क) मानव-जीवन का महत्व-दर्शन ।
(ख) शृंगार के अलंकारों का वर्णन
(ग) सूर्य की रोशनी का वर्णन ।
(घ) हरे-भरे खेतों की हरियाली का अंकन ।

(ii) कवि की कविता का पूजा-स्थल है
(क) देवता का मंदिर ।
(ख) मानव का नाम-यश ।
(ग) मानवता की सजल व्यथा ।
(घ) जीवन का संसार ।

(iii) कवि देवता नहीं है, क्योंकि वह
(क) एक सांसारिक है ।
(ख) मानवता का पुजारी है
(ग) भाग्य के हाथों की कठपुतली है
(घ) मानव का दुःख-निवारक है

(iv) कवि के जीवन का उद्देश्य है :

(क) लोक-सेवा करना

(ख) समाधि में लीन होना

(ग) जन समुदाय की सेवा करना

(घ) काव्य-रचना द्वारा ईश्वर का गुणगान करना

(v) 'मेरा मंदिर है मानव के मन का आँगन' में अलंकार है :

(क) श्लेष

(ख) रूपक

(ग) अनुप्रास

(घ) उपमा

खण्ड ख

6. निर्देशानुसार उत्तर दीजिए : 1×4=4

(i) निम्नलिखित वाक्यों में से संयुक्त वाक्य छाँटिए :

(क) इस पंक्ति को ध्यान से पढ़कर अर्थ स्पष्ट करो ।

(ख) तुम यहाँ आओ या सो जाओ ।

(ग) जिस मकान में तुम रहते थे उसी में मैं भी रहता था ।

(घ) उसने बताया कि उसका परिणाम आ गया है ।

(ii) निम्नलिखित वाक्यों में से मिश्र वाक्य का चयन कीजिए :

(क) वह बहादुर है और तुम कायर हो ।

(ख) मुझे विश्वास है कि वह आज आएगा ।

(ग) धनिकता व्यक्ति को अभिमानी तो बना ही देती है ।

(घ) वहाँ जाओ किन्तु चुप रहना ।

(iii) जहाँ दो या अधिक सरल वाक्य समान स्तर के होते हैं और समानाधिकरण समुच्चयबोधक द्वारा जुड़े होते हैं, उन्हें कहते हैं :

(क) सरल वाक्य

(ख) संयुक्त वाक्य

(ग) मिश्र वाक्य

(घ) जटिल वाक्य

(ङ) निम्नलिखित वाक्यों में से मिश्र वाक्य छाँटिए :

(क) मैं उसी नई टी.एल.जी. रेल से जाती हूँ ।

(ख) तुम यहाँ आओ और इस काम को समाप्त करो ।

(ग) जयपुर घूमके दिल्ली में सभी मित्रों से मिलते हैं

(घ) मैं उस डॉक्टर को जानता हूँ जो इस रोग का विशेषज्ञ है

II. निम्नलिखित वाक्यों में रेखांकित शब्दों के पद-परिचय के लिए दिए गए विकल्पों में से सही विकल्प का चयन कीजिए : 1×4=4

(i) तू बहुत तेज़ <u>दौड़ता है</u> ।

(क) सकर्मक क्रिया, पुल्लिंग, एकवचन

(ख) अकर्मक क्रिया, स्त्रीलिंग, एकवचन

(ग) अकर्मक क्रिया, पुल्लिंग, एकवचन

(घ) नामधातु क्रिया, पुल्लिंग, बहुवचन

(ii) यह मन को <u>पवित्र</u> करता है ।

(क) विशेषण, सार्वनामिक, पुल्लिंग, एकवचन

(ख) विशेषण, गुणवाचक, स्त्रीलिंग, एकवचन

(ग) विशेषण, संख्यावाचक, पुल्लिंग, एकवचन

(घ) विशेषण, परिमाणवाचक, पुल्लिंग, एकवचन

(iii) वह <u>सुबह से</u> पलंग पर बैठा है ।

(क) क्रिया-विशेषण, रीतिवाचक, 'बैठा है' का विशेषण

(ख) क्रिया-विशेषण, स्थानवाचक, 'पर बैठा है' का विशेषण

(ग) क्रिया-विशेषण, कालवाचक, 'पलंग पर' का विशेषण

(घ) क्रिया-विशेषण, परिमाणवाचक, 'बैठा है' का विशेषण

(iv) <u>आप</u> नाश्ते में क्या लेंगे ?

(क) पुरुषवाचक सर्वनाम, पुल्लिंग

(ख) प्रश्नवाचक सर्वनाम, पुल्लिंग

(ग) अनिश्चयवाचक सर्वनाम, पुल्लिंग

(घ) निश्चयवाचक सर्वनाम, पुल्लिंग

7. निर्देशानुसार उत्तर दीजिए : 1×4=4

(i) निम्नलिखित में कर्तृवाच्य वाला वाक्य छाँटिए :

(क) मुझसे अब पढ़ा नहीं जाता ।

(ख) उसने कार्य समाप्त कर लिया है ।

(ग) इतनी कड़वी दवाई नहीं खाई जाती ।

(घ) मुझसे यह साइकिल नहीं चलाई जाएगी ।

(ii) निम्नलिखित में से कर्मवाच्य वाला वाक्य छाँटिए :

(क) नवाब साहब ने खीरा खाया ।

(ख) उसकी जेब से चाकू निकलकर गिर गया है ।

(ग) उससे नियमित रूप से अंग्रेज़ी नहीं पढ़ी जाती ।

(घ) क्या तुमसे गंगा में नहाया जाएगा ?

(iii) निम्नलिखित में से भाववाच्य वाले वाक्य का चयन कीजिए,

(क) इसको क्या नाम दिया जाए ।

(ख) पुलिस द्वारा गोली चलाई गई ।

(ग) वह कहानी लिख सकता है ।

(घ) मुझसे सारी रात जागा नहीं जाएगा ।

(iv) भाववाच्य कहते हैं

(क) जहाँ कर्ता प्रधान होता है ।

(ख) जहाँ कर्म प्रधान होता है ।

(ग) जहाँ भाव प्रधान होता है ।

(घ) जहाँ अन्य पद प्रधान होता है ।

8. निर्देशानुसार उत्तर दीजिए : 1×4=4

(i) निम्नांकित में व्याप्त अलंकार का उल्लेख कीजिए :

(क) नयन तेरे मीन से हैं ।

(ख) तनिक भी तुम देखकर ।

(ग) [illegible]

(घ) मधुर मृदु मंजुल मुख मुस्कान ।

(ii) निम्नलिखित काव्यांश में उपमेय का चयन कीजिए :

'पहेली-सा जीवन है व्यस्त'

(क) पहेली

(ख) जीवन

(ग) व्यस्त

(घ) सा

(iii) किस अलंकार में उपमेय की उपमान से साधारण धर्म के कारण तुलना की जाती है ?

(क) उत्प्रेक्षा

(ख) रूपक

(ग) उपमा

(घ) मानवीकरण

(iv) 'कालिन्दी कूल कदम्ब की डारनि' में अलंकार है

(क) यमक

(ख) रूपक

(ग) श्लेष

(घ) अनुप्रास

8. निर्देशानुसार उत्तर दीजिए : 1×4=4

(i) निम्नलिखित वाक्यों में मिश्र वाक्य का चयन कीजिए :

(क) आप फोन करके पुलिस को बुलाइए।

(ख) मैं चाहता हूँ कि आप अवश्य आएँ।

(ग) वह दिन में नौकरी करता है और रात में पढ़ता है।

(घ) मुझे अच्छे रंग की कमीज़ चाहिए।

(ii) उसने <u>[illegible]</u> सामान को देखा। रेखांकित शब्द है

(क) संज्ञा

(ख) सर्वनाम

(ग) विशेषण

(घ) क्रिया-विशेषण

(iii) निम्न वाक्य में बहुत समय से खीरा रखा था वाक्य का कर्मवाच्य का सही रूप होगा :

(क) नवाब साहब ने बहुत समय से खीरा रखा था ।

(ख) नवाब साहब द्वारा बहुत समय से खीरा रखा गया ।

(ग) नवाब साहब द्वारा बहुत समय से खीरा रखा होगा ।

(घ) नवाब साहब को बहुत समय तक खीरा रखना चाहिए ।

(iv) 'मुसकान मुसकाई' में अलंकार है :

(क) उपमा

(ख) श्लेष

(ग) रूपक

(घ) यमक

खण्ड ग

10. निम्नलिखित गद्यांश पर आधारित प्रश्नों के सही उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए : 1×5=5

जन्म तो मध्यप्रदेश के भानपुरा गाँव में था, लेकिन मेरी यादों का सिलसिला शुरू होता है अजमेर के ब्रह्मपुरी मोहल्ले के उस दो मंज़िला मकान से, जिसके ऊपरी मंज़िल में पिताजी का साम्राज्य था, जहाँ वे निहायत अव्यवस्थित ढंग से फैली-बिखरी पुस्तकों-पत्रिकाओं और अखबारों के बीच या तो कुछ पढ़ते रहते थे या फिर डिक्टेशन देते रहते थे । नीचे हम सब भाई-बहिनों के साथ रहती थीं हमारी बेपढ़ी-लिखी व्यक्तित्वविहीन माँ... सवेरे से शाम तक हम सबकी इच्छाओं और पिताजी की आज्ञाओं का पालन करने के लिए सदैव तत्पर । अजमेर से पहले पिताजी इंदौर में थे, जहाँ उनकी बड़ी प्रतिष्ठा थी, सम्मान था, नाम था ।

(i) यादों का सिलसिला शुरू होने का अर्थ है

(क) बीती बातें याद आना ।

(ख) बीती बातों के क्रमबद्ध स्मरण की शुरुआत ।

(ग) स्मृति लोप का आरंभ होना ।

(घ) महत्वपूर्ण बातों का संग्रह ।

(ii) 'पिताजी का साम्राज्य' लिखा गया है कि वे

(क) घर के मालिक और शासक थे ।

(ख) प्रतिष्ठित अध्यापक थे ।

(ग) अव्यवस्थित व्यक्ति थे ।

(घ) शहर के वकील थे ।

(iii) लेखिका ने माँ को व्यक्तित्वहीन कहा है, क्योंकि

(क) माँ की अपनी कोई इच्छा नहीं थी।

(ख) उनका कोई अपना स्वार्थ नहीं था।

(ग) वे परिवार के प्रति पूर्णतः समर्पित थीं।

(घ) पारिवारिक दायित्वों के निर्वाह में उनके व्यक्तित्व का विलय हो गया था।

(iv) इंदौर में लेखिका के पिताजी की छवि थी

(क) एक सामान्य व्यक्ति की।

(ख) एक गैर-ज़िम्मेदार इंसान की।

(ग) एक असामाजिक व्यक्ति की।

(घ) एक प्रतिष्ठित, सम्मानित एवं प्रसिद्ध व्यक्ति की।

(v) जन्मी तो मध्यप्रदेश के भानपुरा गाँव में थी, लेकिन यादों का सिलसिला शुरू होता है अजमेर से। वाक्य का रचना-भेद है

(क) साधारण

(ख) संयुक्त

(ग) मिश्र

(घ) जटिल

अथवा

फ़ादर को ज़हरबाद से नहीं मरना चाहिए था। जिसकी रगों में दूसरों के लिए मिठास-भरे अमृत के अतिरिक्त और कुछ नहीं था उसके लिए इस ज़हर का विधान क्यों ? यह सवाल किस ईश्वर से पूछें ? प्रभु की आस्था ही जिसका अस्तित्व था, वह देह की इस यातना की परीक्षा उम्र की आखिरी देहरी पर क्यों दे ? एक लंबी, पादरी के सफ़ेद चोगे से ढकी आकृति सामने है — गोरा रंग, सफ़ेद झाँई मारती भूरी दाढ़ी, नीली आँखें, बाँहें खोल गले लगाने को आतुर। इतनी ममता, इतना अपनत्व इस साधु में हर एक प्रियजन के लिए उमड़ता था।

(i) ज़हरबाद क्या है ?

(क) साँप के काटने से उत्पन्न रोग।

(ख) विषैले जीव-जंतुओं के दंश से उत्पन्न बीमारी।

(ग) एक तरह का विषैला फोड़ा।

(घ) कैंसर की असाध्य बीमारी।

(ii) इस खेल का विधान उलट क्यों नहीं होना चाहिए था, क्योंकि

(क) [illegible]

(ख) [illegible]

(ग) [illegible]

(घ) ऐसे व्यक्ति की चेतना उनके स्वयं के लिए तथा उनके शिकारी के लिए [illegible] होती है।

(iii) [illegible]

(क) [illegible]

(ख) हिन्दी भाषा [illegible]

(ग) [illegible]

(घ) प्रभु में आस्था एवं अपनों के प्रति ममत्व

(iv) 'कहाँ शोक गले लगाने को आतुर' – वाक्य में निहित शैली है [illegible]

(क) [illegible]

(ख) [illegible]

(ग) लाक्षणिकता

(घ) [illegible]

(v) प्रभु की आशा ही जिसका [illegible] था, [illegible] वाक्य का [illegible] भेद है

(क) सरल वाक्य

(ख) संयुक्त वाक्य

(ग) मिश्र वाक्य

(घ) विधान वाक्य

11. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में स्पष्ट कीजिए : 2×5=10

(क) [illegible] के आधार पर स्पष्ट कीजिए,

(ख) [illegible] की अपनी आँखें [illegible] हुआ

(ग) [illegible] किया है ?

(घ) [illegible] की किन-किन विशेषताओं ने आपको प्रभावित किया है ?

(ङ) [illegible] कहा जा सकता है ?

12. निम्नलिखित काव्यांश को पढ़ कर उस पर आधारित प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

छाया मत छूना

मन, होगा दुख दूना ।

जीवन में हैं सुरंग सुधियाँ सुहावनी

छवियों की चित्र-गंध फैली मनभावनी;

तन-सुगंध शेष रही, बीत गई यामिनी,

कुंतल के फूलों की याद बनी चाँदनी ।

(क) कविता में 'छवि' शब्द किस अर्थ के लिए प्रयुक्त हुआ है ? 1

(ख) कवि के जीवन की सुरंग सुधियाँ क्या हैं ? 2

(ग) 'कुंतल के फूलों की याद बनी चाँदनी' – आशय समझाइए । 2

अथवा

बिहसि लखनु बोले मृदु बानी । अहो मुनीसु महाभट मानी ॥

पुनि पुनि मोहि देखाव कुठारू । चहत उड़ावन फूँकि पहारू ॥

इहाँ कुम्हड़बतिआ कोउ नाहीं । जे तरजनी देखि मरि जाहीं ॥

देखि कुठारु सरासन बाना । मैं कछु कहा सहित अभिमाना ।

(क) लक्ष्मण के हँसने का कारण स्पष्ट कीजिए । 1

(ख) 'चहत उड़ावन फूँकि पहारू' का आशय समझाइए । 2

(ग) लक्ष्मण ने अपने वचनों द्वारा परशुराम के व्यक्तित्व की किन विशेषताओं को उजागर किया है ? 2

13. निम्नलिखित प्रश्नों के संक्षेप में उत्तर दीजिए :

(क) लक्ष्मण ने वीर योद्धा की क्या-क्या विशेषताएँ बताई हैं ? 2

(ख) बच्चे की दंतुरित मुस्कान का कवि के मन पर क्या प्रभाव पड़ता है ? 2

(ग) संगीत में संगतकार की क्या भूमिका होती है ? 1

14. 'साना साना हाथ जोड़ि' पाठ के आधार पर बताइए कि गंतोक को 'मेहनतकश बादशाहों का शहर' क्यों कहा गया है । 5

अथवा

लेखक ने अपने आपको हिरोशिमा के विस्फोट का भोक्ता कब और किस तरह महसूस किया ?

खण्ड घ

15. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर संकेत-बिन्दुओं के आधार पर निबन्ध लिखिए : 5

(क) रेलवे-स्टेशन का दृश्य

- भीड़, शोर
- दुकानें
- मन पर प्रभाव

(ख) यदि मैं शिक्षक होता

- शिक्षक क्यों
- दायित्व
- लक्ष्य

16. किसी मनोरंजक यात्रा के अनुभवों का वर्णन करते हुए अपने मित्र को एक पत्र लिखिए । 5

अथवा

अपने क्षेत्र में अनियमित बस-सेवा से उत्पन्न असुविधाओं का उल्लेख करते हुए परिवहन-मंत्री को पत्र लिखकर व्यवस्थित बस-सेवा के लिए अनुरोध कीजिए